अंदर के पेजों पर पढ़ें

2 निजी संपत्ति को अपने कब्जे में ले सकती है सरकार?...

6 टी20 विश्व कप को लेकर रोहित, अगरकर और द्रविड़ के बीच हुई बैठक ...

7 मतदाताओं से जीवन्त संवाद करें, उन्हें समझायें कि वे वोट जरूर करें - श्री राजन...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-14 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 30 अप्रैल से 06 मई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी नाम वापस लेकर भाजपा में शामिल

पटवारी ने कहा-ये कैंडिडेट कैप्चरिंग

इंदौर लोकसभा सीट से बतौर कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले अक्षय कांति बम ने सोमवार को पर्चा वापस ले लिया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और भाजपा विधायक रमेश मेंदोला के साथ अक्षय कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। नामांकन वापस लेने के बाद उन्होंने भाजपा भी जॉइन कर ली।बम की नाम वापसी होते ही भाजपा ने ऑपरेशन सूरत-2 पर काम शुरू कर दिया। प्लान था कि गुजरात की सूरत लोकसभा सीट की तरह बचे हुए उम्मीदवारों के नामांकन वापस कराकर इंदौर में निर्विरोध जीत हासिल की जाए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में दोपहर 3 बजे तक माथापच्ची चलती रही लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। 23 में से 9 ही उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए। अब इंदौर लोकसभा सीट पर भाजपा के शंकर लालवानी समेत 14 उम्मीदवार मैदान में हैं।

, निर्दलीय उम्मीदवार व पूर्व सैनिक धर्मेंद्र सिंह झाला और दिलीप ठक्कर ने कहा, हम दोनों के फर्जी साइन करके नाम वापसी करा ली गई है। हमने वीडियोग्राफी दिखाने की मांग की है। एक और निर्दलीय प्रत्याशी लीलाधर चौहान ने कहा, मैंने फॉर्म उठाया ही नहीं। यह जानकारी आपको किसने दी? मैं तो गया ही नहीं, ये कैसे हो गया? ठक्कर और झाला ने कलेक्टर कार्यालय में धरना भी दिया।

कलेक्टर ने कहा- प्रक्रिया का पालन किया

वहीं, कलेक्टर आशीष सिंह ने मीडिया से कहा, नियम है कि प्रत्याशी स्वयं, उनके प्रस्तावक या एजेंट में से कोई भी आकर नाम वापस ले सकता है। इस मामले में प्रस्तावक ने नाम वापस लिया है। फॉर्म में संबंधित प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह झाला के भी साइन हैं, जो सामान्यत: सही प्रतीत होते हैं। हैंड राइटिंग चेक करने की हमारे पास कोई व्यवस्था नहीं है।

यदि उन्हें कोई संशय है तो कोर्ट में ही चैलेंज किया जा सकता है। हमने प्रक्रिया का पालन किया है, पूरी वीडियोग्राफी कराई गई है।

पटवारी बोले- अक्षय को धमकाया, यातना दी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इंदौर में लोकतंत्र का चीर हरण हुआ है। भाजपा खास तौर पर नरेंद्र मोदी के राज में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। इससे पहले बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाएं होती थीं लेकिन अब तो प्रत्याशियों का कैप्चरिंग, उनका हरण हो रहा है। इंदौर शहर के हित में जो निर्णय होगा, कल शाम तक आपको बताएंगे। कांग्रेस लोकतंत्र को और जनता को जिंदा रखने के लिए अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करेगी।

इससे पहले उन्होंने सोमवार सुबह ग्वालियर में कहा, अक्षय कांति बम पर तीन दिन पहले एक पुराने मामले में 307 की धारा बढ़वाई गई। डराया गया। धमकाया गया। रातभर यातना दी गई। आज उसको साथ ले जाकर फॉर्म वापस निकलवा लिया गया। इंदौरवासियों, ये मैसेज है कि आपको वोट के अधिकार का इस्तेमाल नहीं करना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपको अगर लोकतंत्र में विश्वास है तो इस तानाशाही के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा।

पीसीसी चीफ ने ये बात ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र में आने वाले करैरा कस्बे में कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक के समर्थन में ली गई जनसभा में कही।

विजयवर्गीय ने होटल में की पूरी प्लानिंग

सूत्रों के अनुसार, मंत्री विजयवर्गीय ने हाईकमान को भरोसे में लेकर एक होटल में इसकी प्लानिंग की। अक्षय ने नाम वापसी पर अनहोनी की आशंका जताई। कहा- कांग्रेसी बवाल कर देंगे। इसके बाद प्लान में भाजपा विधायक रमेश मेंदोला की भी एंट्री कराई गई। अक्षय को फॉर्म वापस लेने भी मेंदोला के साथ भेजा, विजयवर्गीय खुद बाहर डटे रहे। फिलहाल, अक्षय कांति बम के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मंत्री विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा, इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम का भाजपा में स्वागत है।

कलेक्टर कार्यालय में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

इंदौर लोकसभा सीट पर नाम वापसी को लेकर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। कलेक्टर कार्यालय में मौजूद दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने आपस में धक्कामुक्की की। दरअसल, इस सीट से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए गए अक्षय कांति बम के नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा निर्विरोध निर्वाचन कराने की कोशिश में थी। इसे देखते हुए बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता भी कलेक्ट्रेट स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचे।

3 प्रत्याशी बोले- किसी का कोई दबाव नहीं था

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ अंबेडकर के उम्मीदवार विजय इंगले बोले, मुझ पर कोई दबाव नहीं था। मेरे पास पार्टी का बी-फॉर्म नहीं था। मेरा निर्दलीय फॉर्म क्लियर था लेकिन बिना पार्टी सिंबल के वोट नहीं मिलते। पार्टी के ही कहने पर मैंने नाम वापस ले लिया।

निर्दलीय उम्मीदवार जयदेव परमार ने कहा, %पारिवारिक कारणों के चलते फॉर्म वापस लिया है। मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए फंड इकट्ठा नहीं हो पा रहा था। कोई प्रेशर नहीं था, न ही किसी का फोन नहीं आया था। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी सुनील कुमार अहिरवार ने कहा कि किसी दबाव में नाम वापस नहीं लिया है। मैंने बसपा से टिकट मांगा था लेकिन पार्टी ने संजय सोलंकी को उम्मीदवार बनाया है। मैं उनका समर्थन कर रहा हूं।

दो प्रत्याशियों से संपर्क नहीं हो पाया

आम भारतीय पार्टी के उम्मीदवार नासिर मोहम्मद और जनता कांग्रेस की उम्मीदवार भावना संगेलिया का फोन स्विच आता रहा।

बम बोले-देश प्रेम, सनातन धर्म के लिए भाजपा में आया

नामांकन वापसी के बाद भाजपा नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ अक्षय बम भी मौजूद रहे। विजयवर्गीय ने औपचारिक तौर पर बम के भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। वहीं, बम ने मीडिया के सामने केवल इतना ही कहा, मैं राष्ट्र हित, देश प्रेम और सनातन धर्म के प्रचार के लिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। मैं शुरू से इसी रास्ते पर चला हूं।

संपादकीय

निजी संपत्ति को अपने कब्जे में ले सकती है सरकार? राज्य के अधिकार को समझ लीजिए

सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ संपत्ति के अधिकार से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही है। खास बात है कि यह सुनवाई तब हो रही है जब लोकसभा चुनाव के बीच संपत्ति के पुनर्वितरण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी एक दूसरे के सामने हैं। कोर्ट के सामने निजी संपत्ति पर सरकार के नियंत्रण के अधिकार को सवाल है। दिलचस्प संयोग है कि जब देश में निजी संपत्ति के कथित पुनर्वितरण को लेकर चुनावी माहौल गरमाया हुआ है, तभी सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ इस सवाल पर विचार कर रही है कि क्या राज्य निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को संविधान के अनुच्छेद 39 बी के तहत समुदाय की संपत्ति मानते हुए नियंत्रित करने का अधिकार रखता है। स्वाभाविक ही इस सवाल में निजी संपत्ति के पुनर्वितरण का पहलू भी शामिल है।

कई पहलू अस्पष्ट

यूं तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने पहले भी उठता रहा है, लेकिन इससे जुड़े कुछ अहम पहलू पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। इससे जुड़े सबसे चर्चित मामले (कर्नाटक राज्य बनाम श्री रंगनाथ रेड्डी) में 1977 में सुप्रीम कोर्ट ने 4-3 के बहुमत से फैसला दिया था कि निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को समुदाय की संपत्ति नहीं माना जा सकता। लेकिन आगे चलकर इसी मामले में जस्टिस वी आर कृष्ण अय्यर की अल्पमत राय ज्यादा अहम मानी गई, जिसके मुताबिक चूंकि व्यक्ति समुदाय का सदस्य होता है इसलिए उसकी संपत्ति समुदाय की संपत्ति के दायरे में आती है।

ताजा विवाद क्या है

सुप्रीम कोर्ट के सामने आया ताजा मामला महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डिवेलपमेंट एक्ट (म्हाडा) में 1986 में हुए एक संशोधन से जुड़ा है। यह संशोधन राज्य सरकार को जीर्ण-शीर्ण इमारतों और उसकी जमीन को अधिग्रहित करने का अधिकार देता है बशर्ते उसके 70त्न मालिक ऐसा अनुरोध करें। इस संशोधन को प्रॉपर्टी ओनर्स असोसिएशन की ओर से अदालत में चुनौती दी गई है।

अलग-अलग नजरिए

असल में नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत आने वाले अनुच्छेद 39 बी के संबंधित प्रावधानों को अलग-अलग नजरिए से देखा जाता रहा है। जस्टिस अय्यर के बहुचर्चित अल्पमत फैसले में इस मामले को समाजवादी नजरिए से देखा गया। इसे पूंजीवादी नजरिए से भी देखा जा सकता है, जिसके मुताबिक निजी संपत्ति में राज्य के किसी तरह के दखल से परहेज किया जाता है। लेकिन बुधवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए ष्टछ्ढ चंद्रचूड़ ने स्पष्ट कर दिया कि दोनों में से कोई भी नजरिया इस मामले में संपूर्ण नहीं माना जा सकता।

महात्मा गांधी की दृष्टि

जस्टिस चंद्रचूड़ के मुताबिक भारत के संदर्भ में संपत्ति को देखने का महात्मा गांधी का दृष्टिकोण सबसे प्रासंगिक है, जिसमें ट्रस्ट की अवधारणा है। इस अवधारणा में न केवल निजी संपत्ति की और उसे परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित करने की गुंजाइश है बल्कि समुदाय के सर्वोच्च हितों के अनुरूप उसके सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल की संभावना भी है।

दूर हो अस्पष्टता

देखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई आखिरकार किस निष्कर्ष पर पहुंचती है। लेकिन कोर्ट में चल रही बहस के मौजूदा स्वरूप को देखते हुए यह उम्मीद की जानी चाहिए कि जहां यह फैसला इस मसले से जुड़ी तमाम अस्पष्टताएं दूर करेगा, वहीं संपत्ति पर नई भारतीय और संवैधानिक दृष्टि विकसित करने में भी मददगार होगा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

केजरीवाल ज्यादा दिन नहीं चला पाएंगे जेल से सरकार, कोर्ट की बातों से शुरू हुआ इस्तीफे का काउंट डाउन

अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें फिर से तेजी से बढ़ने लगी हैं. गिरफ्तारी के बाद लगता है अब इस्तीफा भी ज्यादा दिन तक टाल पाना मुश्किल होगा. देश का संविधान और कानून मुख्यमंत्री बने रहने में भले न आड़े आ रहा हो, लेकिन व्यावहारिक दिक्कतें धीरे धीरे दीवार बन रही हैं. दिल?ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल के सीएम पद पर बने रहने को लेकर जो कहा है, उसके आगे केजरीवाल के लिए मुश्किलें ही मुश्किलें हैं.

स्कूल और अस्पताल – अरविंद केजरीवाल की राजनीति में सबसे ज्यादा बिकाऊ माल यही दोनों मुद्दे रहे हैं. मुफ्त बिजली पानी का मामला तो बाद में आता है. भ्रष्टाचार मिटाने का दावा तो अब गले ही पड़ चुका है.

ये तो प्राइवेट स्कूलों की फीस पर लगाम और सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए किताब और बाकी जरूरी चीजें मुफ्त में दिये जाने का ही असर है, अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली विधानसभा में दोबारा बहुमत दिलाने के साथ साथ एमसीडी पर भी कब्जा दिला दिया – लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री के जेल चले जाने के बाद अब उन्हीं सरकारी स्कूलों का कामकाज प्रभावित होने लगा है, और ये चीज मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिर पर तलवार की तरह लटक रही है.

मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव टलने के बाद एमसीडी स्कूलों का मामला अरविंद केजरीवाल के लिए नई मुसीबत बना है – और इस मुसीबत की वजह बना है, केजरीवाल सरकार के ही मंत्री सौरभ भारद्वाज का इस सिलसिले में दिया गया बयान.

जो सौरभ भारद्वाज 24×7 अरविंद केजरीवाल का दिल्ली शराब नीति केस में बचाव करते रहे हैं, उनका ही मजबूरी में दिये बयान ने मुख्यमंत्री की मुश्किलों में इजाफा कर दिया है. सौरभ भारद्वाज के बयान को तो दिल्ली हाई कोर्ट ने सही माना है, लेकिन ऑब्जर्वेशन ये है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में होने की वजह से दिल्ली सरकार का कामकाज ठप पड़ा है.

दिल्ली हाईकोर्ट का कहना है कि गिरफ्तारी के बावजूद मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का अरविंद केजरीवाल का निजी फैसला है, लेकिन उनके अनुपलब्ध होने की वजह एमसीडी के स्कूलों में पढ़ने वाले छोटे बच्चों की पढ़ाई के रास्ते में नहीं आ सकती – कोर्ट ने कहा है, बच्चों मुफ्त किताबें, स्टेशनरी और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराये जाएंगे.

बैकफायर करने लगा है वर्ल्ड क्लास एजुकेशन का दावा

दिल्ली की शिक्षा क्रांति के दावे की बदौलत ही आम आदमी पार्टी मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का विरोध करती रही है. मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद जब तक अरविंद केजरीवाल जब तक बाहर थे, शिक्षा क्रांति के नाम पर बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते रहे.

अरविंद केजरीवाल का दावा रहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में जितना काम उनकी सरकार ने किया है, किसी भी सरकार ने नहीं किया. कहने को तो अरविंद केजरीवाल और उनके साथी यहां तक कहते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी को फोटो सेशन के लिए गुजरात में स्कूल तक नहीं मिलते और आनन फानन में इंतजाम करने पड़ते हैं.

लेकिन अब वही शिक्षा क्रांति अरविंद केजरीवाल को भारी पड़ने लगी है – क्योंकि एमसीडी स्कूल के बच्चों के लिए किताबें और यूनिफॉर्म सहित कई बुनियादी सुविधायें नहीं मिल पा रही हैं.

दिल्ली हाईकोर्ट की इस मामले में बेहद सख्त टिप्पणी आई है, एमसीडी स्कूलों के छात्रों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध न करा पाने में दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम दोनों ही नाकाम रहे हैं... ये छात्रों के शिक्षा पाने के संविधानिक अधिकार का हनन है.

ऐसे में जबकि लोकसभा चुनाव 2024 चल रहा हो, अरविंद केजरीवाल की राजनीति के लिए ये चीज बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि दिल्ली में सरकार के साथ साथ एमसीडी की सत्ता पर भी आम आदमी पार्टी ही काबिज है. पहले तो दिल्ली बीजेपी के नेता ही कहते रहे, लेकिन अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बोल दिया है कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जो कुछ हो रहा है, वो अदालत में ही हो रहा है – अरविंद केजरीवाल के खिलाफि दिल्ली हाई कोर्ट की ताजा टिप्पणी ने बीजेपी को घेरने का एक नया मौका दे दिया है. दिल्ली सरकार के मंत्री के बयान का जिक्र करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है, सौरभ भारद्वाज के बयान में सच्चाई है कि एमसीडी कमिश्नर की वित्तीय शक्ति में किसी भी तरह की बढ़ोतरी के लिए मुख्यमंत्री की मंजूरी की आवश्यकता होगी.

और सौरभ भारद्वाज के बयान के आधार पर ही हाई कोर्ट की टिप्पणी है, ये बयान इस बात को स्वीकार करने के बराबर है कि मुख्यमंत्री की गैरमौजूदगी के कारण दिल्ली सरकार ठप पड़ी हुई है.

कोर्ट का कहना है, ये कहना कि आदर्श आचार संहिता के दौरान कोई महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लिया जा सकता, गलत है... निश्चित तौर पर कोई नया नीतिगत फैसला नहीं लिया जा सकता, लेकिन संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को प्रतिदिन महत्वपूर्ण और जरूरी फैसले लेने ही पड़ते हैं.

हाई कोर्ट का मानना है, एमसीडी स्कूलों में मौजूदा नीति के हिसाब से मुफ्त किताबें, स्टेशनरी और यूनिफॉर्म जारी करना, टूटी कुर्सियों और टेबल को बदलना जरूरी और तत्काल निर्णय लेने वाला है, जिसमें कोई देरी नहीं होती है... और जो मॉडल के दौरान कोई पाबंदी नहीं है

दिल्ली हाई कोर्ट ने एमसीडी कमिश्नर को निर्देश दिया है कि वो स्कूलों में बच्चों की किताबें यूनिफॉर्म और स्टेशनरी के लिए 5 करोड़ के अधिकतम बजट की परवाह किये बिना उनका वितरण सुनिश्चित करें, बाद में खर्च का ऑडिट किया जाएगा.

एमसीडी कमिश्नर से कोर्ट ने इस मामले में 14 मई तक रिपोर्ट मांगी है – और सुनवाई की अगली तारीख 15 मई मुकर्रर की गई है.

केजरीवाल का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तय है

मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव को टाला जाना अरविंद केजरीवाल के लिए ऐसा पहला झटका था – और एमसीडी स्कूलों के छात्रों को किताबें और यूनिफॉर्म न मिल पाना बिलकुल वैसा ही दूसरा मामला है.

तेजाब डालने की धमकी दी

इन्दौर । विजयनगर पुलिस ने 24 वर्षीय महिला की रिपोर्ट पर राहुल यादव निवासी भागीरथपुरा के खिलाफ प्रकरण दजी किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह सयाजी चौराहे से गुजर रही थी तभी आरोपी ने मोबाइल नंबर मांगा नहीं दिया तो तेजाब डालने की धमकी देकर भाग गया।

कार से लैपटॉप चुराया

इन्दौर । प्रशांत पिता केदार शर्मा निवासी साकेत नगर की कार का कांच फोड़कर अज्ञात व्यक्ति लैपटॉप चुरा कर ले गया। प्रशांत ने पुलिस को बताया कि वह रामचंद्र नगर में रहने वाले बड़े भाई से मिलने गया था तभी यह घटना हुई। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

बहु को धमकाया

इन्दौर । योगिता कौशल 30 साल निवासी बड़ी बमोरी ने पुलिस को बताया कि मायके से दहेज नहीं लाने पर पति दिलीप सास संगीता कौशल ससुर हेमंत कौशल ने प्रताड़ित कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शराब सहित पकड़ा

इन्दौर । लसूडिया पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान मोटरसाइकिल सवार राजू पिता विष्णु मालवीय निवासी स्कीम नंबर 78 को पकड़ा और उसके पास से 15 बोतल शराब जप्त की। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

बच्चों के विवाद में चाकू मारा

इन्दौर । सुरेश सोलंकी निवासी मुसाखेड़ी ने पुलिस को बताया कि उसका बच्चा राहुल पास में रहने वाले जितेन से खेलने के दौरान झगड़ लिया था इसी बात को लेकर जितेंद्र के पिता निर्मल ने उसे चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

चाकू सहित चार बंदी

इन्दौर । पलासिया पुलिस ने धर्मेंद्र पिता कन्हैया लाल और अजय पिता शंकर लाल को पकड़ा इनके पास से दो चाकू बरामद किए इसी प्रकार तिलक नगर पुलिस ने विजय चौधरी और यशवंत वर्मा को पकड़ा इनके पास से भी दो चाकू बरामद किए। चारों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दो लोगों को धमकाया

इन्दौर । शिवानी पति ललित पाल निवासी अमर टेकरी के घर में घुसकर अशोक पवार ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसी प्रकार गाड़ी अड्डा में रहने वाले दिनेश वर्मा के साथ यशवंत सेन ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। दोनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किया है।

ई-रिक्शा के कांच फोड़े

इन्दौर । महू नाका चौराहे पर सवारी बिठाने को लेकर हुए विवाद में कमल पिता राजेंद्र शर्मा की ई-रिक्शा के कांच दीपक मालवीय ने फोड़ दिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांजा सहित दो धराए

इन्दौर । शिप्रा पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान मोटरसाइकिल सवार मुकेश प्रताप घनश्याम वर्मा और धर्मेंद्र पिता किशन लाल पवार को पकड़ा उनके पास से 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जेठानी के साथ मारपीट

इन्दौर । ऋषि पैलेस कॉलोनी में रहने वाली उर्मिला पति घनश्याम ने पुलिस को बताया कि घरेलू बात को लेकर देवरानी निर्मला पति विष्णु ने उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

झगड़ा करते पांच बंदी

इन्दौर । बेटमा पुलिस ने भोजपुर कॉलोनी में हंगामा करते हुए भारत पिता सत्यनारायण जगदीश पिता हुकम चंद कैलाश पिता गोवर्धन और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ के केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो घायल

इन्दौर । लव कुश चौराहे पर ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार विशाल पिता मोतीलाल और अजय पिता कृष्ण कुमार निवासी भागीरथपुरा घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

चार गंजेड़ी धराएं

इन्दौर । पुलिस जूनी इंदौर ने गांजा पीते हुए अशोक पिता रमेश चंद्र वीरेंद्र पिता रामस्वरूप कमलेश पिता मदनलाल और मुकेश पिता लक्ष्मी नारायण को पकड़ा। इनके पास से गांजे की पुड़िया बरामद की सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

गुंडे से रिवाल्वर मिली

इन्दौर । द्वारकापुरी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर राजेश उर्फ धर्मेंद्र पिता मूलचंद राठौर को पकड़ा तलाशी लेने पर पिस्टल और कारतूस बरामद किया। आरोपी के खिलाफ दर्ज किया है।

चाचा भतीजे की कार में तोड़फोड़ कर किया हमला

हमले में महिलाएं भी घायल

इंदौर 29 अप्रैल बाणगंगा थाना अंतर्गत ग्राम भंगिया में मामूली बात को लेकर पिता पुत्र और रिश्तेदारों ने मिलकर चाचा भतीजे पर हमला कर दिया बचाने में महिलाएं भी घायल हो गई। आरोपियों ने चाचा भतीजे की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अरुण मालवीय ने पुलिस को बताया कि वह अपने रिश्तेदार के यहां एयरपोर्ट रोड पर शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। शनिवार रात्रि 11 बजे वह शादी समारोह से वापस घर लौट रहे थे। आरोपी राधेश्याम और सुरेश ने अपने घर के पास रास्ते में एट जमा रखी थी। इस कारण गाड़ी निकालने में दिक्कत हो रही थी। इसी दौरान अरुण गाड़ी से उतरकर एट हटने लगा तभी राधेश्याम बाहर आया और गालियां देने लगा। गाली देने से मना करने पर राधेश्याम ने अपने घर से अन्य लोगों को बुला लिया। सभी लाठियां लेकर बाहर आए और अरुण पर हमला कर दिया। बचाने अरुण की भाभी संगीता और पत्नी संतोषी भी घायल हो गई। आरोपियों ने अरुण की कार और भतीजे सचिन की कार केवी कांच फोड़ दिए। अरुण मालवीय के मुताबिक हम जान बचाकर सभी भागने लगे तो आरोपियों ने पीछा भी किया था।

कार सवार युवक पर हमला कर लूट, प्रकरण दर्ज

इंदौर 29 अप्रैल पुलिस शहर में सड़कों पर उतरकर बदमाशों के खिलाफ अभियान चला रही है। वही बदमाश पुलिस के अभियान की धज्जियां उड़ाते हुए लगातार वारदात को अंजाम दे रहे हैं। बंगाली चौराहे पर कार सवार युवक को पर बदमाशों ने चाकू और डंडे से हमला किया और सोने की चेन एवं मोबाइल फोन छीन कर भाग गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नितेश पिता कैलाश पटेल 37 साल निवासी सर्व सुविधा नगर के साथ घटना हुई। नितेश ने पुलिस को बताया कि वह शाम 4ः45 बजे अपने कार से बंगाली चौराहे से जा रहा था। तभी मुझे उल्टी होने लगी तो गाड़ी पिक एंड मूवर्स के सामने खड़ी की और बाहर उतार कर उल्टियां करने लगा इसी दौरान दो एक्टिवा पर चार बदमाश आए इन्होंने आगे और पीछे गाड़ी खड़ी कर दी और फिर मेरे पर चाकू और डंडे से हमला कर गले में पहनी सोने की चेन और मोबाइल फोन छीन लिया। जाते-जाते बदमाशों ने गाड़ी के कांच फोड़े और धमकी देकर भाग गए। खजराना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 394 341 323 और 506 का प्रकरण दर्ज किया।

बाइक सवार दंपति डंपर से टकराए, मौत

इंदौर 28 अप्रैल ग्रामीण क्षेत्र में दो सड़क हादसों में एक दंपति सहित तीन लोगों की मौत हो गई। कुदाल क्षेत्र में बाइक सवार दंपति डंपर से टकरा गए हादसे में दोनों की मौत हो गई। इसी प्रकार सांवेर में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी जिसमें महिला की मौत हो गई पति घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुडेल थाना अंतर्गत काजू फैक्ट्री के पास सड़क किनारे खड़े डंपर में मोटरसाइकिल घुस गई जिसमें अमर सिंह और उसकी पत्नी राधाबाई की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी चालक ने डंपर लापरवाही पूर्वक सड़क पर खड़ा किया जिसके कारण दंपति की मौत हो गई। मामले में चालक के खिलाफ केस दर्ज किया। इसी प्रकार सांवेर क्षेत्र में पति के साथ मोटरसाइकिल पर जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। महिला का नाम अनुराधा मौर्य 45 साल है। हादसे में पति राधेश्याम घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक राधेश्याम पत्नी को बाइक पर बैठ कर ले जा रहा था तभी कार में टक्कर मार दी जिसमें राधाबाई की मौत हो गई। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

नमकीन कारखाने में लगी भीषण आग

पलडा में स्थित एक नमकीन कारखाने में भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड के उपनिरीक्षक संतोष दुबे के नेतृत्व में दमकल कर्मी पहुंचे और 33000 लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया। कारखाना मालिक सौरभ पिता सुरेंद्र जैन के मुताबिक आग बड़ी मात्रा में नमकीन राम मटेरियल मशीन और अन्य सामान जल गया। आग लगने का कारण अज्ञात है। वही लोहा मंडी क्षेत्र में रहने वाले नसी पिता हुकम चंद के मकान की छत पर पड़े कचरे के देर में आग लग गई जिसे दमकल कर्मियों ने 2000 लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया।

एयरफोर्स के रिटायर अफसर का बैग चोरी

आसाराम आश्रम में हुई घटना

इंदौर 29 अप्रैल तेजाजी नगर थाना अंतर्गत आसाराम बापू आश्रम में ठहरे एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर का बैग चोरी हो गया। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी विजय पाल सिंह चौहान निवासी अहमदाबाद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह आसाराम बापू आश्रम में कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। उनके मुताबिक रात 1 बजे वह अपने रूम में सोने चले गए। सुबह 4 उठे और समय देखने के लिए मोबाइल देखने लगे लेकिन मोबाइल नहीं मिला पास ही रखा बैग भी नहीं था। इसके बाद उन्होंने साथियों को उठाया। सुबह सर्चिंग की तो गार्डन में मेरा खाली बैग पड़ा मिला जिसमें मोबाइल की सिम और कपड़े मिले और उसमें रखे नकदी और मोबाइल फोन नहीं मिला। बाद में साथी के साथ थाने पहुंच कर केस दर्ज करवाया। इसी प्रकार फरियादी सौरभ पिता अभिमन्यु द्विवेदी निवासी क्लर्क कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई की रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 से अज्ञात व्यक्ति उसकी अटैची चुरा कर ले गया। जिसमें नकदी 9854 क्रेडिट एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

अंदर के धर्म जागृत होते ही आप धार्मिक हो जाएंगे

हम लोग यही सोचते हैं कि अगर माताजी के आत्म साक्षात्कार की तरफ हम मुड़े तो भाई फिर क्या होगा हम सन्यासी हो जाएंगे सहज योग तो सन्यास के महाविरोध में है महा विरोध अगर कोई सन्यासी आ जाए तो हम उसे कहते हैं कि जाकर कपड़े बदल कर आओ सहयोग सामान्य लोगों के लिए जो बस्ती में रहते हैं उनके लिए है गृहस्थी बड़ा भारी महायज्ञ है उस महायज्ञ में जो गुजरा है वही सहयोग में आता है सन्यासियों में हमारा विश्वास बिल्कुल नहीं है क्योंकि यह कपड़े पहन कर के आप किसको जता रहे हैं जो सन्यासी होता है वह तो है ही सन्यासी अंदर से वह क्या ब्रह्मा में अपने ऊपर में कुछ नाम पर साइन बोर्ड लगा कर घूमता है कि मैं सन्यासी हूं यह झूठ है नेट पर लगाने की क्या जरूरत है और गलतफहमी में अपने को रखना अपने ही को आप की ट्रेन धोखा कर रहे हैं तो दूसरों को करेंगे ही जिसने अपने ही को धोखा दिया है वह दूसरों को भी धोखा दे ही देगा तो इस प्रकार के भी विचार के कुछ लोग होते हैं कि जो अपने शरीर को दुख देना और दुनिया भर के दुख सहना और परेशानी उठाना इसका बड़ा अच्छा उदाहरण है यहूदी लोग अपने यहां भी ऐसे बहुत सारे हैं जो उपवास तपास और दुनिया भर की बातें करके शिवाय बीमारी के और कुछ नहीं उठाते पर यहूदी लोगों ने यह कहा कि हम ईसा मसीह को नहीं मानते हैं क्योंकि वह कहता है कि मैं तुम्हारे सारे पापों को खींच लूंगा अपने अंदर और सही बात है जब उनकी जागृति हो जाती है हमारे आज्ञा चक्र पर तो वह खींच लेते हैं इसलिए यहूदी लोग उनको नहीं मान सकते और चाहे कोई माने तो माने और इसलिए उन्होंने कहा कि हम तो यह विश्वास करते हैं कि मनुष्य खूब सफर कष्ट सहन करना चाहिए खूब सफरिंग कष्ट भोगना होना चाहिए वह इतना दुख उठाए दुख उठाने से ही परमात्मा मिलता है यह उनका अपना विचार था यानी यहां तक कि कोई संत है उसको कोई दुख दे रहा है तो वह कहते हैं कि ठीक ही है तुमको परमात्मा अच्छे से मिल जाएगा जितना दुख हो जेलो जैसे ज्ञानेश्वर जी को हमने काफी सताया रामदास स्वामी को हमने कभी माना ही नहीं कभी माना ही तुकाराम की तो हालत ही खराब कर दी और भी जितने भी नानक साहब हैं कबीर दास हैं सब को परेशान किया और यही कहकर कि तुम तो संत हो तुम तो गुस्सा ही नहीं हो सकते हम संत नहीं हैं मां ने यहां की जैसे सारे गुस्से का ठेका हमने ले रखा है और सारा सहने का ठेका आप ने ले रखा है और ऐसे जो यहूदी लोग थे देखिए उन पर कितनी बड़ी आफत आ गई भगवान ने एक हिटलर भेज दिया उनके लिए जाओ इनको सफर करना है करने दो अब वहां उल्टे बैठ गए हैं वह सब दुनिया को सफर कराएंगे तो इस तरह की कल्पनाएं अगर दिमाग में हो तो भी मनुष्य कभी भी सुख नहीं पा सकता इस तरह की बड़ी ही ज्यादा तीव्र भावनाएं किसी के प्रति कभी भी नहीं बनानी चाहिए क्योंकि सभी परमात्मा की संतान हैं किसी से भी देश बनाना नहीं चाहिए कोई भी आप प्रश्न उठाइए जैसे कि कोई कहेगा कि आज हिंदू धर्म जो है यह बड़ी विपत्ति में पड़ा है मैं तो कहती हूं कि कभी विपत्ति में पड़ ही नहीं सकता अगर वह धर्म है तो उसको कोई हाथ भी नहीं लगा सकता अगर वह धर्म है तो पर वह राजनीति नहीं है वह धर्म है और धर्म को कोई छू नहीं सकता क्योंकि धर्म शाश्वत है धर्म को कौन छू सकता है आनी जानी और मरना जीना तो चलता रहता है लेकिन धर्म नष्ट नहीं हो सकता अगर आप ही धर्म चुप हो जाए तो धर्म नष्ट हो जाएगा और नहीं तो आपका आपका धर्म कोई नहीं तोड़ सकता किसी की मजाल नहीं कि आपका धर्म तोड़े पर धर्म को पहले अपने अंदर जागृत करना चाहिए आप के 10 धर्म हैं यह धर्म जब आपके अंदर जागृत हो जाएंगे तो जो धर्म आप नष्ट कर रहे हैं रोज रोज किसी न किसी वजह से क्योंकि आपकी बहुत सारी इच्छाएं हैं आप में लाल साए हैं वासन आए हैं बहुत सी आदतें पड़ गई हैं इसकी वजह से जो आपके अंदर का धर्म रोज नष्ट हो रहा है वह जागृत होते ही आप धार्मिक हो जाएंगे क्योंकि आप दूसरा काम कर ही नहीं सकते जैसे मैं कभी भी नहीं कहती आप शराब मत पियो मैं नहीं कहती हूं क्योंकि कहने से आधे लोग उठ जाएंगे फायदा क्या मैं कहती हूं अच्छा पार हो जाओ मां के तरीके उल्टे होते हैं ना चल भाई पहले पार हो जाओ फिर मैं कहूंगी अच्छा अब पी कर देखो शराब पी नहीं सकते उल्टी हो जाएगी उल्टी हो जाएगी धर्म अब जागृत हो गया आपके अंदर तो वहां फेंक देगा आपकी शराब को आपकी ही नहीं सकते धर्म इस तरह इतने जोर से आपके अंदर जागृत हो जाता है कि फिर पाप और पुण्य जो है जैसे निर्वाचित विवेक हो जाता है उस तरह से अलग अलग हो जाता है और आप जान जाते हैं कि यह मेरे लिए रास नहीं आएगा यह मेरे माफी नहीं आने वाला यह मुझे सूट ही नहीं कर सकता इसकी एलर्जी है मुझको आप एलर्जी हो जाते हैं क्योंकि आपके अंदर आपका जो परम गुरु आत्मा है शिव स्वरूप आत्मा जागृत होकर के वही आपको समझा देता है कि भाई देखो यह चीज चलने वाली नहीं है अब हमसे क्योंकि आप अब आत्मा हो गए इसलिए अब आत्मा बोलेगा और बाकी जो चीज हैं गौण हो जाती है और मुख्य हो जाता है आत्मा

जय श्री माताजी

गर्मी के सीजन में अपनी डाइट में शामिल करें ये 5 फूड्स, शुगर रहेगा अंडर कंट्रोल

डायबिटीज एक साइलेंट किलर डिसीज है. यह चुपके से दस्तक देता है और शरीर को खोखला करना शुरू कर देता है. जब तक इस रोग का पता चलता है तब तक ये आपके शरीर को तोड़ देता है. वैसे तो डायबिटीज का कोई खास इलाज नहीं है. हालांकि, अच्छी लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट के जरिए डायबिटीज के जरिए ब्लड शुगर को लेवल को कंट्रोल किया जा सकता है.अगर आप वक्त रहते हुए आपने खानपान और लाइफस्टाइल संयमित नहीं किया तो डायबिटीज का असर किडनी, फेफड़े, हार्ट और आंखों जैसे शरीर के बेहद जरूरी अंगों पर भी पड़ सकता है. ऐसे में हम आपको 6 फूड्स के बारे में बता रहे हैं जिसे अपनी डाइट में शामिल कर इस गर्मी के सीजन में डायबिटीज को कंट्रोल कर सकते हैं.

टमाटर में लाइकोपीन नाम का एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है. यह बॉडी में इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे आपके शरीर के शुगर लेवल में इजाफा नहीं होगा. साथ ही इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी कम होता है. बता दें कि कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले सब्जियों और फलों का सेवन करने से शुगर लेवल बढ़ने की संभावनाएं बेहद कम हो जाती है.

एवोकैडो में मोनोअनसैचुरेटेड फैट, फाइबर और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है. इसके सेवन से भी बॉडी के इंसुलिन सेंसिटिविटी में इजाफा होता है, जो शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में शरीर की मदद करता है. इस फल में मौजूद हेल्दी फैट आपके पेट भरा-भरा महसूस कराते है. इससे आपके अंदर अनहेल्दी और हाई शुगर फूड्स के खाने की क्रेविंग कम हो जाती है.

खीरे में कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी कम होती है लेकिन पानी और फाइबर अधिक होता है. इसके सेवन से आप गर्मियों हाईड्रेटेड फील करते हैं. खीरे में मौजूद फाइबर कार्बोहाइड्रेट के पाचन को स्लो करता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल को स्टेब्लाइज करने में आसानी होती है.

हरी बीन्स में कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी कम होती है लेकिन फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होता है. इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है. साथ ही इसके सेवन से बॉडी के इंसुलिन सेंसिटिविटी के स्तर में भी सुधार होने की संभावना बढ़ सकती है. इस हरी सब्जी को अपनी डाइट में शामिल कर आप शुगर लेवल को कंट्रोल कर सकते हैं.

जुकिनी में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स खूब पाए जाते हैं. इसके सेवन से बॉडी को भरपूर इम्यूनिटी मिलती है. कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के चलते शुगर मरीजों के लिए यह सब्जी बढ़िया विकल्प है. इसके अलावा इस सब्जी में कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी भी कम होती है जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है

बिग बॉस OTT-3

शिवांगी जोशी होंगी सबसे महंगी कंटेस्टेंट! एल्विश-अभिषेक के बाद अदनान शेख-सौरव जोशी बनेंगे हिस्सा ?

बिग बॉस ओटीटी 3 में भी टीवी के सितारों के साथ यूट्यूबर्स भी नजर आने वाले हैं। खबर है कि सौरव जोशी के साथ बातचीत चल रही है, जोकि फेमस यूट्यूबर हैं। अदनान शेख का नाम भी सामने आ रहा है। इनके अलावा टीवी की फेमस एक्ट्रेस शिवांगी जोशी भी शामिल हो सकती हैं।

रिएलिटी शो बिग बॉस का ओटीटी वर्जन भी खूब हिट रहा। दूसरे सीजन को सलमान खान ने होस्ट किया और एल्विश यादव विनर बने। इसी सीजन में एक और यूट्यूबर अभिषेक मल्हन भी नजर आए। शो को तगड़ी टीआरपी मिली, ऐसे में मेकर्स इस सीजन में भी यूट्यूबर्स को लाने की प्लानिंग कर रहे हैं। खबर है कि मेकर्स ने सौरव जोशी को अप्रोच किया है। इनके अलावा अदनान शेख का नाम भी सामने आ रही है। टीवी सिलेब्स में सबकी चहेती नायरा यानी शिवांगी जोशी से भी बातचीत चल रही है। कहा जा रहा है कि वो इस सीजन की सबसे महंगी कंटेस्टेंट होंगी।

Bigg Boss OTT 3 को लेकर पहले खबर आई थी कि इस बार ये शो नहीं बनेगा, क्योंकि ओटीटी वर्जन का असर टीवी वाले शो की टीआरपी पर पड़ता है। हालांकि, जब सलमान खान के घर पर फायरिंग हुई, उसके अगले दिन ही मेकर्स की तरफ से ये साफ कर दिया गया कि बिग बॉस ओटीटी 3 आएगा और धमाल भी मचाएगा, क्योंकि इस बार भी होस्ट सलमान खान ही होंगे।

9 साल बाद हैप्पी पटेल से कमबैक करेंगे इमरान खान, मामा आमिर खान बना रहे फिल्म, वीर दास करेंगे डायरेक्ट

जाने तू... या जाने ना फेम इमरान खान ने अपने कमबैक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का नाम हैप्पी पटेल है, जिसे मामा आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। इतना ही नहीं, इस फिल्म में आमिर कैमियो भी करेंगे। फिल्म का डायरेक्शन एक्टर और कॉमेडियन वीर दास कर रहे हैं।

आमिर खान के भांजे और जाने तू... या जाने ना फेम इमरान खान कमबैक की तैयारी में हैं। साल 2015 में उनकी आद्दखरी फिल्म कट्टी बट्टी रिलीज हुई थी। अब पूरे 9 साल बाद वह कॉमेडी-ड्रामा हैप्पी पटेल से पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। दिलचस्प है कि उनकी इस फिल्म को भी मामा आमिर खान ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इमरान ने 1988 में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट आमिर की फिल्म कयामत से कयामत तक से बॉलीवुड में एंट्री की थी, जबकि 2008 में बतौर लीड हीरो उनकी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना भी आमिर खान ने ही प्रोड्यूस की थी।

पीपिंग मून की रिपोर्ट के मुताबिक, हैप्पी पटेल की शूटिंग गोवा में शुरू हो गई है। इस फिल्म में को इमरान के को-स्टार रहे वीर दास डायरेक्ट कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म हैप्पी पटेल की कहानी में जहां भरदम हंसी-मजाक है, वहीं इसकी कहानी अनूठी भी होने वाली है। इमरान इससे पहले 2011 में रिलीज देल्ही बेली जैसी डार्क कॉमेडी फिल्म में वीर दास के साथ काम कर चुके हैं।

हैप्पी पटेल कैमियो करेंगे आमिर खान, मोना सिंह का भी रोल

मशहूर एक्टर और स्टैंडअप कॉमेडियन वीर दास जहां 17 साल के एक्टिंग करियर के बाद डायरेक्टर के तौर पर नई पारी शुरू कर रहे हैं, वहीं इस फिल?म में लाल सिंह चड्ढा और जस्सी जैसी कोई नहीं फेम मोना सिंह भी प्रमुख भूमिका में होंगी। फिल्म के बाकी कास्ट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। जबकि लीड रोल में किस हीरोइन को कास्ट किया जाएगा, इसको भी सीक्रेट रखा गया है। दिलचस्प जानकारी यह है कि हैप्पी पटेल में आमिर खान भी कैमियो रोल में नजर आएंगे।

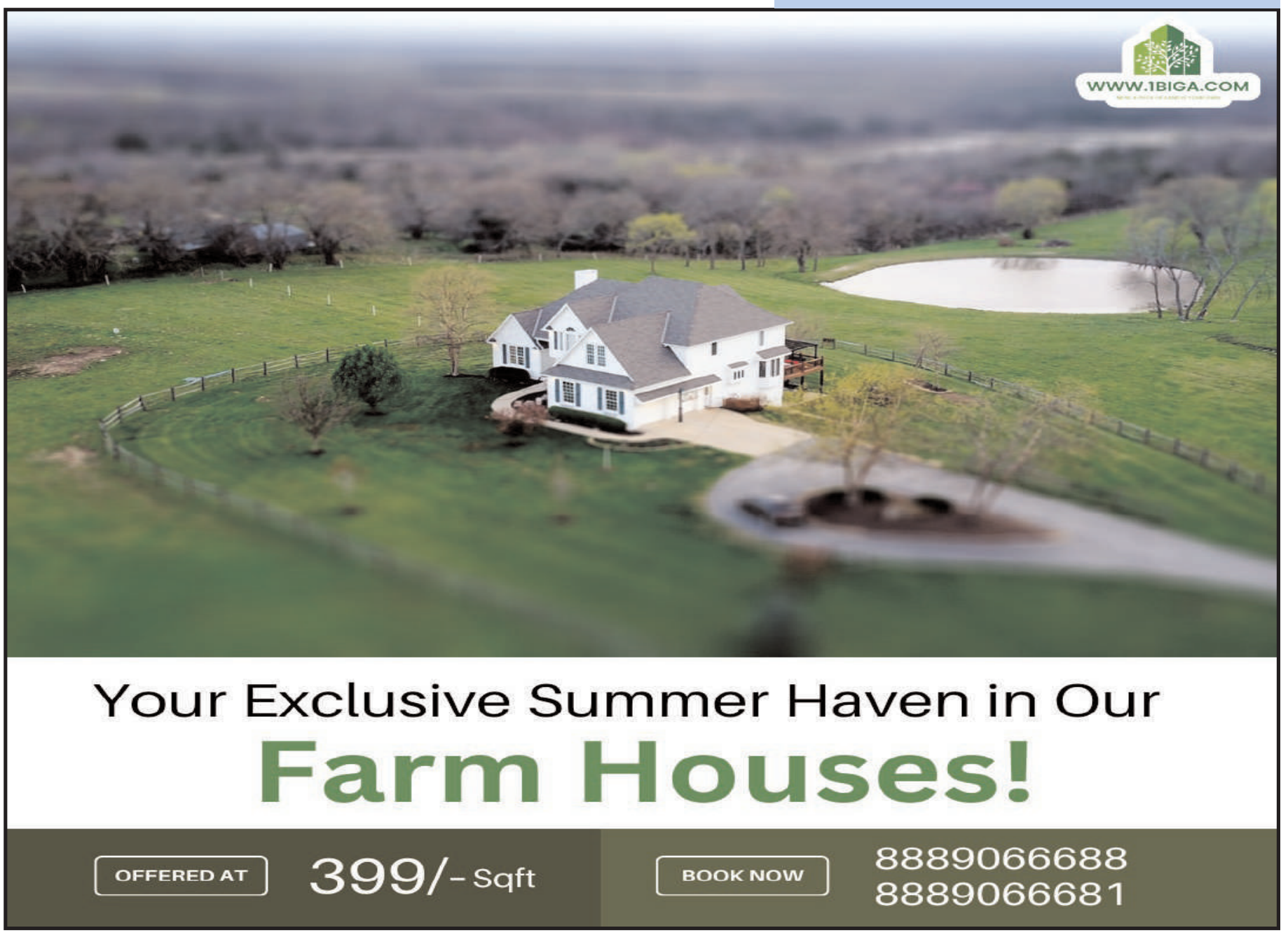

टी20 विश्व कप को लेकर रोहित, अगरकर और द्रविड़ के बीच हुई बैठक, जानें चार बड़े फैसले

इन तीनों के बीच रविवार को यह बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए टीम घोषित करने की अंतिम तिथि एक मई है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले 48 घंटों में भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन को लेकर कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बीच दो घंटे तक बैठक चली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इन तीनों के बीच रविवार को यह बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए टीम घोषित करने की अंतिम तिथि एक मई है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले 48 घंटों में भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है। इस बैठक में चार बड़े फैसले लिए गए हैं, आइए जानते हैं इस वैश्विक टूर्नामेंट को लेकर मीटिंग में कौन-कौन से बड़े फैसले लिए गए हैं

टी20 विश्व कप के लिए टीम चयन को दिया गया अंतिम रूप

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित, अगरकर और द्रविड़ के बीच टी20 विश्व कप के लिए नामों को अंतिम रूप देने को लेकर यह मीटिंग हुई। बैठक के लिए द्रविड़ नई दिल्ली आए और उन्होंने अगरकर तथा रोहित से मुलाकात की। यह पहली बार नहीं था जब इन तीनों की बैठक हुई है। इससे पहले, 26 अप्रैल की शाम को भी इनकी मीटिंग हुई थी और उसमें सिर्फ जनरल रणनीति पर चर्चा हुई। माना जा रहा है कि रविवार को हुई बैठक में चीजों को अंतिम रूप दे दिया गया है। बीसीसीआई ने हालांकि मीटिंग को लेकर आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन रेव स्पोर्ट्स के अनुसार मीटिंग के दौरान कुछ अनाधिकारिक चर्चाएं भी हुई है। मीटिंग के बाद रोहित मुंबई इंडियंस टीम के साथ जुड़ गए जिसका मुकाबला अब लखनऊ सुपरजाएंट्स से होना है।

आईपीएल नहीं, वेस्टइंडीज की परिस्थितियां चयन का आधार

मीटिंग में जिन नामों को लेकर चर्चा हुई उनका ओवरऑल प्रदर्शन देखा गया, जबकि आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर चर्चा नहीं की गई। वेस्टइंडीज में धीमी पिच को देखते हुए माना जा रहा है कि आईपीएल के कुछ शीर्ष स्कोरर टीम में जगह बनाने से चूक सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन और आईपीएल के मौजूदा सीजन में प्रभाव नहीं छोड़ पा रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिलेगी। वहीं, विराट कोहली का छठा टी20 विश्व कप खेलना तय माना जा रहा है।

दो बैच में रवाना होगी भारतीय टीम

टी20 विश्व कप का आयोजन एक जून से होना है और भारतीय टीम का पहला मुकाबला आयरलैंड से पांच जून को है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए दो बैच में जाएगी। भारतीय टीम का पहला बैच 21 मई को रवाना होगा। आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला 26 मई को खेला जाएगा और 21 मई से पहले प्लेऑफ की टीमों का चयन लगभग पक्का हो जाएगा। ऐसे में जिन खिलाड़ियों की टीमें आईपीएल के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाएंगी वो पहले बैच में रवाना होंगे, जबकि अन्य खिलाड़ी आईपीएल फाइनल के अगले दिन 27 मई को रवाना होंगे।

एक मई को होगी घोषणा

अगर सबकुछ प्लान के अनुसार रहा तो बीसीसीआई टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा एक मई को करेगा। न्यूजीलैंड ने सोमवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। हालांकि, माना जा रहा है कि बीसीसीआई सचिव जय शाह की अनुपस्थिति के चलते टीम घोषित होने में देरी हो रही है। जय शाह फिलहाल लोकसभा चुनाव में व्यस्त चल रहे हैं और उनके उपलब्ध होने पर टीम घोषित कर दी जाएगी।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

मतदाताओं से जीवन्त संवाद करें, उन्हें समझायें कि वे वोट जरूर करें - श्री राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिये

एक और 7 मई 2024 को सभी मतदान केन्द्रों में चलें बूथ की ओर अभियान चलायें। इसमें मतदाताओं से जीवन्त संवाद करें, उन्हें यह समझायें कि वोट करना उनका संवैधानिक अधिकार है। इसलिये हर मतदाता वोट जरूर करें। मतदाता जागरुकता गतिविधियों में और तेजी लायें। हर जरूरी उपाय कर मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक लाने के लिये जागरुक करें तथा अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करायें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने सोमवार को तीसरे और चौथे चरण में मतदान वाले लोकसभा संसदीय क्षेत्रों से संबंधित कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये यह निर्देश दिये। श्री राजन ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये रणनीति बनाकर विशेष गतिविधियां आयोजित करें, ताकि हर मतदाता को यह याद रहे कि मतदान के दिन उसे वोट करना ही है।

वोटर पर्ची के साथ-साथ कोई एक फोटोयुक्त दस्तावेज लेकर आने के लिये कहें

श्री राजन ने कहा कि मतदाताओं से सम्पर्क के दौरान बीएलओ और अन्य मैदानी अमला मतदाताओं को यह बतायें कि मतदान के दिन वे वोटर पर्ची के साथ-साथ वोटर आईडी कार्ड या 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज लेकर जरूर आयें, इससे मतदाता की पहचान शीघ्र हो सकेगी और वो बिना किसी देरी के मतदान कर सकेंगे।

मतदाताओं को आमंत्रित करें

श्री राजन ने कहा कि तीसरे और चौथे चरण के मतदान वाले संसदीय क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों में मतदाता-संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जायें, इसमें उस बूथ के सभी मतदाताओं को आमंत्रित किया जायें। उन्हें मतदान से संबंधित हर तरह की जानकारी देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी करें। मतदाताओं को वोट जरूर करने की शपथ भी दिलाई जा सकती है।

वोटर पर्ची और वोटर गाईड बाँटने बीएलओ स्वयं जायें

श्री राजन ने कहा कि सभी कलेक्टर्स यह सुनिश्चित करें कि मतदाताओं को वोटर पर्ची व वोटर गाईड बाँटने के लिये बीएलओ

खुद जायें और यह कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा करें। बीएलओ मतदाताओं से आग्रह करें कि मतदान करने केन्द्र तक आयें और वोट जरूर करें।

मतदान दिवस को सक्रियता से कार्य करें

श्री राजन ने कहा कि चलें बूथ की ओर अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित करें। मतदान के एक दिन पहले जागरूकता रैली, कैम्प आदि लगाकर मतदाताओं को बतायें कि कल मतदान दिवस है और उन्हें वोट करना ही है। इसके अलावा मतदान के दिन और अधिक सक्रियता से कार्य करें। मतदान के दिन मुनादी करायें। कोर ग्रुप के सदस्यों द्वारा मतदाताओं को याद दिलाया जाये कि आज मतदान का दिन है। सभी को मतदान करना है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये योगदान देने वाले सर्वश्रेष्ठ बीएलओ, सर्वश्रेष्ठ मैदानी कार्यकर्ता, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत को पुरूस्कार दिया जायेगा, ऐसा प्रचारित किया जाये। ग्रामस्तरीय लोगों को मतदाता जागरूकता गतिविधियों से जोड़ें, इससे मतदान बढ़ाने भी मदद मिलेगी। मतदान के दौरान अत्यधिक गर्मी से बचाव सहित मतदान दलों के लिये चिकित्सा किट की व्यवस्था भी की जाये। मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग द्वारा सतत् निगरानी की जाये।

चलों बूथ की ओर अभियान के अंतर्गत होंगी ये गतिविधियां

बी.एल.ओ. द्वारा मतदाता सूची का वाचन एवं मतदाता पर्ची का वितरण किया जाएगा। सेक्टर अधिकारी द्वारा मतदाता पर्ची का सत्यापन किया जाएगा। ऐसे दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाता, जो मतदान केन्द्र पर मतदान करेंगे, उन्हें मतदान केन्द्र तक लाने हेतु मेन-टू-मेन मार्किंग की जायेगी।

मतदाता जागरुकता के लिये सभी मतदान केन्द्रों पर स्थानीय खेल प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला, महिला रैली, स्व-सहायता समूह द्वारा रंगोली प्रतियोगिता, स्थानीय नागरिकों को शपथ/संकल्प पत्र का वाचन, प्रभातफेरी, मेंहदी प्रतियोगिता, व्यंजन प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, साईकिल/मोटर साईकिल रैली, चित्रकला प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां आयोजित की जायें।

तीसरे चरण के 20456 मतदान केंन्द्रों पर चलेगा अभियान

तीसरे चरण में प्रदेश के 9 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। इसके अंतर्गत आने वाले 20 हजार 456 मतदान केंद्रों पर यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बैतूल, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल और राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं।

चौथे चरण के 18007 मतदान केन्द्रों पर चलेगा अभियान

चौथे चरण में प्रदेश के 8 लोकसभा क्षेत्रों के 18 हजार 7 मतदान केन्द्रों पर यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन, खंडवा लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में तीसरे और चौथे चरण के मतदान वाले संसदीय क्षेत्रों से संबंधित कलेक्टर्स ने उनके द्वारा मतदाताओं को वोट अवश्य करने के लिये प्रेरित करने की मंशा से किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री, श्री तरूण राठी, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद शुक्ला उपस्थित रहे।

फर्जी बिल घोटाला

गिरफ्तार आरोपियों ने माना भ्रष्टाचार किया-इसमें निगम अफसरों की भी मिलीभगत; नाम सामने आया तो खंडवा भाग गए थे

नगर निगम में हुए 107 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में रविवार देर रात दो ठेकेदार भाइयों मो. जाकिर और मो. साजिद ने एमजी रोड थाने में सरेंडर कर दिया। हालांकि पुलिस का दावा है कि दोनों को आईटी पार्क से गिरफ्तार किया है। दोनों पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि उनके खातों में घोटाले का पैसा आता था। दोनों ने निगम अफसरों की अहम भूमिका व मिलीभगत होने की भी बात स्वीकारी। पूछताछ में दोनों ने यह भी बताया कि मामला सामने आने के बाद वे खंडवा भाग गए थे। दोनों भाइयों ने अपनी फर्म के नाम पर फर्जी बिल लगाने की बात भी स्वीकारी है।

डीसीपी पंकज पांडेय का कहना है कि पुलिस ने इन्हें आईटी पार्क से गिरफ्तार किया है। दिन में ही इनके घर से बैंक पासबुक, गाड़ियां, फाइलें व अन्य दस्तावेज जब्त किए थे। इनके संभावित ठिकानों पर भी पुलिस ने दबिश दी थी। आरोपी राहुल वडेरा के नवनीत दर्शन ऑफिस में भी पुलिस टीम पहुंची और वहां से भी फाइलें और दस्तावेज जब्त किए। इससे पहले फरार आरोपियों के घर एमजी रोड पुलिस ने रविवार तड़के दबिश दी। पुलिस ने अप-टाउन निपानिया में रहने वाले आरोपी राहुल और रेणु वढेरा के दो मंजिला आलीशान बंगले में तलाशी ली। इसके बाद मदीना नगर स्थित आरोपी मोहम्मद सिद्दीकी और मो. साजिद के घर की तलाशी ली। दोनों जगह सर्चिंग के दौरान निगम अधिकारी भी पुलिस के साथ थे। दिनभर में टीम ने करीब 3 स्थानों पर छापे मारे। कुछ संभावित ठिकानों की भी सर्चिंग की। सभी के यहां से कुछ फाइलें, दस्तावेज, सीपीयू और अप-टाउन जब्त की गई। डीसीपी पंकज पांडेय ने बताया कि फर्जी बिल घोटाले में आरोपी राहुल और उसकी पत्नी रेणु वढेरा के घर से 3 बैंकों की पासबुक और दोनों के पासपोर्ट मिले।। दो लग्जरी कारें भी जब्त की गईं। इनके घर से निगम की कुछ फाइलें व घोटाले से जुड़े दस्तावेज मिले। मदीना नगर में भी आरोपी मो. सिद्दीकी और साजिद के घर से भी कुछ दस्तावेज, फाइलें व बैंक पासबुक जब्त की गईं। इन सभी की तलाश में टीमें लगी हैं। फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस इनके रिश्तेदारों व परिचितों से लगातार पूछताछ कर रही है।

बैंकों को भी पत्र लिखा

इधर, फरार आरोपी राहुल वढेरा, रेणु सहित तीन अन्य आरोपियों के घरों से मिली बैंक पासबुकों के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग बैंकों को पत्र लिखा है। इनके खातों में 5 साल पुराने ट्रांजेक्शन की हिस्ट्री भी खंगाली जा रही है। पुलिस को आशंका है कि घोटाले की राशि और बढ़ सकती है। निगम के ऑडिट विभाग से लेकर टेंडर, लेखा शाखा सहित पूरे कार्य की एसओपी निकालकर घोटाले की तह तक जाकर पड़ताल की जा रही है।

फर्में हुईं ब्लैक लिस्टेड

पुलिस कार्रवाई के साथ निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने घोटाले में लिप्त पांचों फर्म नींव कंस्ट्रक्शन (मो. साजिद), ग्रीन कंस्ट्रक्शन (मो. सिद्दीकी), किंग कंस्ट्रक्शन (मो. जाकिर), क्षितिज इंटरप्राइजेस (रेणु वढेरा) और जाह्नवी इंटरप्राइजेस (राहुल वढेरा) की फर्मों को ब्लैक लिस्टेड घोषित कर भुगतान पर रोक लगा दी है।

भोजशाला सर्वे

हाईकोर्ट ने आठ सप्ताह का समय दिया ASI को सर्वे के लिए मिला 5 जुलाई तक का समय; आपत्तियां खारिज

धार के भोजशाला में सर्वे की समय सीमा बढ़ाने की मांग सोमवार को हाईकोर्ट ने मान ली है। हाईकोर्ट ने एएसआई को आठ सप्ताह का समय और दिया है, ताकि वह विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सके। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद हाई कोर्ट,स्ड्ढ को सर्वे के लिए 5 जुलाई तक का समय दिया है। सोमवार को सुनवाई में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से सीनियर एडवोकेट विष्णुशंकर जैन (नई दिल्ली) और विनय जोशी ने तर्क रखे।

दरअसल, एएसआई ने सर्वे का काम पूरा कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है। एएसआई का कहना है कि वर्तमान ढांचे को सुरक्षित रखते हुए सर्वे किया जा रहा है। यह अत्यंत धीमी प्रक्रिया है। सर्वे में जीपीआर मशीन इस्तेमाल की जाना है। इसके लिए नेशनल ज्योग्राफिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एनजीआरआइ) से संपर्क किया है। इसलिए उसे अतिरिक्त आठ सप्ताह दिए जाएं।

देपालपुर में हत्या, तनाव के बीच आरोपी का घर तोड़ा

मामूली विवाद में सिर पर लोहे की रॉड से हमला किया था...

इंदौर के नजदीक युवक के सिर पर रॉड मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के साथी पर भी हमला किया गया। घायल अवस्था में दोनों को पहले देपालपुर के सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां से डॉक्टरों ने इंदौर के लिए रैफर कर दिया। परिवार उन्हें तत्काल एम्बुलेंस से इंदौर ले आई। यहां उपचार एक घायल ने दम तोड़ दिया।

घटना अहीरखेड़ी (देपालपुर) में गौतम मधुसुदन सोलंकी (21) के साथ हुई। रविवार शाम को वह मिर्जापुर यशवंत सागर के पास कामरन अकरम खान की दुकान पर दोस्त बंटी के साथ गया था। यहां इनका किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ तो कामरन ने गौतम के सिर पर लोहे की रॉड मार दी। उसके साथ आए दोस्त बंटी पर भी हमला किया। गौतम गंभीर रूप से घायल हुआ। उसके घरवालों को खबर लगी तो वो मौके पर पहुंचे, तब तक कामरान दुकान बंद कर भाग गया। दोनों घायलों को पहले वहीं के सरकारी अस्पताल फिर इंदौर के अरविंदो अस्पताल ले गए। अस्पताल में गौतम की मौत हो गई।

टेंट हाउस का मालिक था- गौतम मधु टेंट हाउस का मालिक था। उसकी मौत की खबर से समाज के लोगों में गुस्सा है। सोलंकी का परिवार हिंदू संगठन से जुड़ा है। एसपी सुनील मेहता ने देपालपुर टीआई रणजीतसिंह बघेल के नेतृत्व में टीमें लगाई थी। पता चला है कि देर रात टीमों ने आरोपी कामरान को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)